including a Naturopathy Institute in Jammu;

(c) what are the reasons that the Central Council has suspended grant for the institutes including Barkat Ram Vidyavati Ghai Institute in Jammu; with the result that the institutes depending on the central aid have been virtually closed and no reason has been given for suspension of grant; and

(d) whether Government is going to reconsider and restart giving grant to the institutes?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (KUMARI SAROJ KHAPARDE): (a) Yes, Sir. One of the objects of the CCRYN is to undertake research in the field of yoga and naturopathy.

(b) Yes, Sir.

(c) The Central Council for Research in Yoga and Naturopathy (CCRYN) has been rendering financial assistance to various Yoga and Naturopathy Institutions for conducting research in Yoga and Nature Cure and to two colleges of Naturopathy for teaching The grant-in-aid for the research was sanctioned only for a limited period of three years to various Yoga and Naturopathy institutions, including Barkat Ram Vidyavati Ghai Institute in Jammu The aforesaid institute in Jammu and Kashmir was a sanctioned grant for a research oriented scheme in Naturopathy entitled "Study of effect of Nature Cure treatment of respiratory system diseases excluding T B and Cancer and Gastrointestinal tract diseases including liver and gallbladder" The scheme was initially sanctioned for three years The scheme commenced on 1-1-1984 and expired on 31-12-1984 Grant-in-aid was given for entire period of the tenure of the scheme.

(d) Subject to availability of funds, the CCRYN is considering grant of financial assistance for extension of some of the existing schemes and also for some new schemes

बम्बई पत्तन पर अमेरिका से आये चावल से लदे जहाज को खाली न किया जाना

3568. **श्री रशीद मसूद :** क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में सूखे से प्रभावित लोगों के लिये विश्व खाद्य कार्यक्रम के अन्तर्गत अमेरिका को भेजा गया चावल से लदा एक जहाज 2 नवम्बर, 1987 को बम्बई पत्तन पर पहुंच गया था ; और

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि माल उतारने की समुचित व्यवस्था के अभाव में चावल से लदा उक्त जहाज पत्तन पर खड़ा रहा और यदि हां, तो इस सबध में इस समय वास्तविक स्थिति क्या है ?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री राजेश पायलट) : (क) जी, हां।

(ख) विश्व खाद्य कार्यक्रम के तहत उपहार में दिये गये 11,200 टन चावल से भरे बैग 2.11.87 को ह्यू लाइकस जहाज से बम्बई पत्तन पहुंचे थे। जहाज 12-11-1987 को बर्थ पर लगाया गया था और इसने 25-11-87 को अपना डिस्चार्ज पूरा किया। भारतीय पोटाश लिमिटेड ने, जो ट्राजिट शैड में इस कार्गो के क्लियरेंस के लिये भारत सरकार को नामिनी है, बम्बई पत्तन के ट्राजिट शैड में कार्गो के क्लीयरेंस के लिये अपना क्लियरिंग एवं फारवर्डिंग एजेंट नामित किया है। क्लियरिंग एव फारवर्डिंग एजेंट बम्बई गोदी क्लियरिंग एव फारवर्डिंग श्रमिक (रोजगार का विनियमन) स्कीम, 1983 के श्रमिकों की सहायता से यह कार्य निर्बाध रूप से 16.11.87 तक करता रहा था। 16.11.87 की रात्रि

शिफ्ट में बम्बई खाद्यान्न हैंडलिंग श्रमिक (रोजगार का विनियमन) स्कीम, 1975 से सबधित श्रमिकों ने क्लियरिंग एव फारवर्डिंग पूल के श्रमिकों को काम पर लगाये जाने पर इस आधार पर आपत्ति की कि ट्रांजिट शैडों से खाद्यान्नों के क्लियरेंस की जिम्मेदारी खाद्यान्न हैंडलिंग श्रमिक स्कीम के श्रमिकों की है और इसलिये क्लियरिंग एव फारवर्डिंग एजेंटों द्वारा अन्य मूल के श्रमिकों को नहीं लगाया जा सकता। इस विवाद के फलस्वरूप 7,800 मीट्रिक टन चावल बम्बई पत्तन न्यास के शैडों में जमा हुआ पड़ा है और क्लियरेंस की प्रतीक्षा में है। गतिरोध दूर करने के प्रयास किये जा रहे है, ताकि चावल का कन्साइनमेंट क्लियर किया जा सके।

रेल गाड़ियों का रद्द किया जाना

3569. **श्री रशीद मसूद** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले छ महीनों के दौरान दिल्ली से चलकर बम्बई, हावड़ा, मद्रास, गुवाहाटी और गोरखपुर जाने वाली कौन-कौन सी प्रमुख रेल गाडियों को रद्द किया गया था तथा उन्हें किन-किन तारीखों को रद्द किया गया था;

(ख) क्या इससे प्रभावित होने वाले यात्रियों की सुविधा के लिये सरकार द्वारा कोई वैकल्पिक व्यवस्था की गई थी, और

(ग) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

रेल मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री माधवराव सिंधिया): (क) से (ग) सूचना इकट्ठी की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जायेगी।

Depicting of Indian culture and civilisation to attract tourism

3570. SHRI RASHEED MASOOD: Will the Minister of TOURISM be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have formulated a number of schemes to encourage tourism;

(b) whether Government have formulated any scheme for the development of sites and places depicting Indian culture and civilization also under the said schemes;

(c) if so, what are the details thereof; and

(d) if not, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF CIVIL AVIATION AND THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TOURISM (SHRI JAGDISH TYTLER): (a) to (d) The Ministry of Tourism has formulated several schemes to encourage tourism to India. These include undertaking sustained publicity and marketing campaigns in the overseas markets, development of infrastructure at centres of tourist interest, promotion of domestic tourism, construction of Yatri Niwases to provide budget accommodation, provision of Yatrikas at pilgrim centres; development of beach resorts, improvement of facilities for Himalayan trekking and water sports, preservation of natural heritage areas, floodlighting of monuments, development of facilities along Buddhist circuits, improvement in the quality of surface transport, development of wildlife tourism and provision of wayside facilities

The Ministry of Tourism has a scheme for promotion of cultural tourism. Under this scheme, infrastructural facilities are created at culturally important centres|monuments and at places of Buddhist importance

Interview for the post of Principals of Kendriya Vidyalayas

3571 SHRI ASHOK NATH VERMA: DR. R K. PODDAR:

Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state: